पंचायत प्रतिनिधियों का जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण रिपोर्ट

2021-22

राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र, रायपुर छत्तीसगढ़

पंचायत प्रतिनिधियों का जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण वर्ष - 2021-22

प्रस्तावना - जलवायु की स्थिति हमारे जीवन को बहुत प्रभावित करती है और जलवायु में हो रहे नकारात्मक बदलाव हमारे जीवन और आजीविका के लिए खतरा बन रहे है | वर्तमान में जलवायु परिवर्तन की स्थिति गंभीर दिशा में पहुँच रही है और पूरी दुनिया में इसका असर बेमौसम वर्षा, ठण्ड के मौसम को छोड़ बाकी पुरे समय गर्मी बने रहना, भूकंप, बाढ़, अतिवृष्टि, सुखा, लाल बारिश, ओला वृष्टि, हिम पर्वत का पिघलना आदि के रूप में देखने को मिल रहा है | आज की हवा जहरीली हो गयी है जिसमें, उद्योगों से निकलने वाले धुँआ, पेट्रोल, डीजल, रासायनिक खाद व् में कीटनाशक जहर बन कर हवा में फैली हुयी है |

जलवायु में आने वाले परिवर्तन के प्रभाव को एक सीमित क्षेत्र में अनुभव किया जा सकता है और पूरी दुनिया में भी। हाल के वर्षों और दशकों में गर्मी के कई रिकॉर्ड टूट गए हैं: यूएन जलवायु रिपोर्ट 2019 इस बात की पुष्टि करती है कि रिकॉर्ड में 2019 दूसरा सबसे गर्म वर्ष था, और 2010-19 सबसे गर्म दशक। वर्ष 2019 में वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) और अन्य ग्रीनहाउस गैसें नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गईं।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार जलवायु में उष्णता के कारण श्वास तथा हृदय सम्बन्धी बीमारियों में वृद्धि होगी। दुनिया के विकासशील देशों में दस्त, पेचिश, हैजा, क्षयरोग, पीत ज्वर तथा मियादी बुखार जैसी संक्रामक बीमारियों में वृद्धि होगी। चूँकि तापमान तथा वर्षा की बीमारी फैलाने वाले रोगवाहक महत्वपूर्ण भूमिका होती है अतः मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों जैसे- मलेरिया (शीत ज्वर), के प्रकोप में बढ़ोत्तरी के कारण इन बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त फाइलेरिया तथा चिकनगुनिया का भी प्रकोप बढ़ेगा।((कुलभूषण उपमन्यु अध्यक्ष, हिमालय नीति अभियान)

मनुष्य प्रकृति का अंग है परन्तु मनुष्य, प्रकृति को अपना अंग समझने लगा है और उसका दुरूपयोग कर रहा है | विकास के नाम पर जलवायु से छेड़छाड़ - जंगल काट कर ओदयोगिकरण, तालाब पाट कर रिहायशी कालोनीयों का निर्माण, पानी के प्राकृतिक बहाव को शापिंग माल, सड़को के लिए बंद कर दिया जा रहा है | यह सब अप्राकृतिक कृत्य जलवायु को नष्ट कर रहे है | जलवायु परिवर्तन पृथ्वी में रहने वाले मानव, जीव-जंतु और पेड़-पौधों के लिए खतरा है |

जलवायु परिवर्तन के परिणाम -

जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया पर आपदाओं के बादल मँडरा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कुछ परिणाम नीचे बताए गए हैं-

- जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में जल्दी-जल्दी और घातक बदलाव होने लगे हैं।
- बाढ़, सूखा, झुलसाने वाली लू, जंगल में आग और क्षेत्रीय चक्रवातों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका में जमी बर्फ के पिघलने की दर बढ़ती जा रही है जिससे समुद्र का स्तर बढ़ रहा है।

लंबे समय तक तापमान अधिक रहने के कारण मौसम के स्वभाव में बदलाव आ रहा है जिसके चलते प्रकृति में मौजूद सामान्य संतुलन की स्थिति बिगड़ती जा रही है। इससे मनुष्यों के लिए पृथ्वी पर जीवन के लिए खतरा बढ़ता जा रहा है।

सरकारे तो जलवायु परिवर्तन के खतरों को पहचान गयी है और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को समझने और समझ कर इसे रोकने व् इससे पृथ्वी के जीवो को बचाने का प्रयास किया जा रहा है परन्तु जब तक आम जन इसके खतरों को नहीं पहचान लेगी इसके खतरों से जल जंगल, हवा और जमीन को नहीं बचाया जा सकता |

हमारे देश की 80 प्रतिशत आबादी गाँव में रहती और सबसे अधिक नुकसान इसी वर्ग को हो रहा है | गाँव में पंचायत की भूमिका महत्वपूर्ण होती है | पंचायत की रूचि और सहयोग से गाँव, जंगल, नदी, प्राकृतिक खेती, तालाबो को बचाने का प्रयास किया जा सकता है | इसी सोच पर छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के बजट के तहत स्टेट क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन हेल्थ एवं राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र की संयुक्त प्रयास से इस वर्ष पुनः राज्य के 28 जिले के 2731 पंचायतो के 21312 पंचायत प्रतिनिधिओं को जलवायु परिवर्तन विषय पर पर प्रशिक्षण किया गया है |

प्रशिक्षण पुस्तिका का निर्माण -

छत्तीसगढ़ में जलवायु परिवर्तन पर पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण एक रोचक और चुनातिपूर्ण गतिविधि है | इसलिए आवश्यकता थी की जलवायु परिवर्तन के स्थानीय मुदों, साधन एवं संस्कृति को ध्यान में रखते हुए एक ऐसा प्रशिक्षण मॉड्यूल का निर्माण हो जिससे प्रतिभागी आसानी से जलवायु परिवर्तन समस्या को समझ पाएंगे तथा इस परिवर्तन को रोकने के दिशा में प्रेरित होंगे | राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र एवं स्टेट क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन हेल्थ शाखा के संयुक्त प्रयास से पिछले

वर्ष एक बेहतर प्रशिक्षण पुस्तिका का निर्माण किया गया था जिसमे इस वर्ष विषय की व्यापकता को देखते हुए कुछ नए बिंदु जोड़े गए है |

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण -

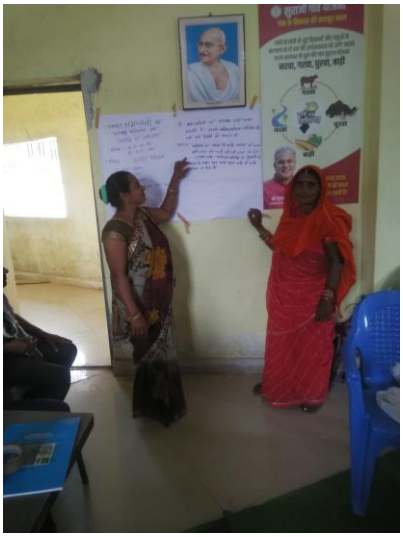

जलवायु परिवर्तन को समझने और समझाने की कढ़ी की शुरुआत जनवरी 2021 से की गयी | जिसमे पहले चरण में राज्य स्तर पर राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र एवं स्टेट क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन हेल्थ दवारा मितानिन कार्यक्रम के 35 जिला समन्वयको एवं 180 स्वस्थ पंचायत समन्वयकों, 290 ब्लाक समन्वयको, 3236 मितानिन प्रशिक्षको को प्रशिक्षण दिया गया | इस वर्ष इन्ही साथियों को प्रशिक्षण में जुड़े नए बिन्दुओ पर जानकारी दी गयी |

जलवायु परिवर्तन पर्शिक्षण में सहभागिता संबंधी जिलेवार जानकारी -

क्र.	जिला	पंचायत	प्रतिभागी
1.	गरियाबंद	101	743
2.	रायगढ़	95	929
3.	धमतरी	79	647
4.	ब बाज़ार	100	807
5.	कबीरधाम	80	650
6.	जांजगीर चांपा	149	1058
7.	बिलासपुर	80	664
8.	कोरबा	100	833
9.	जशपुर	151	1196

10.	गौरेला पेंड्रा	57	404
11.	मुंगेली	59	452
12.	दुर्ग	57	417
13	बेमेतरा	79	606
14.	राजनांदगांव	175	1273
15.	रायपुर	80	591
16.	बालोद	100	909
17.	कोंडागांव	100	740
18.	कांकेर	138	1055
19.	दंतेवाड़ा	80	551
20.	सुकमा	40	356
21.	महासमुंद	100	770
22.	बीजापुर	68	531
23.	बस्तर	135	1069
24.	नारायणपुर	20	137
25	कोरिया	98	720
26.	बलरामपुर	119	1111
27.	सूरजपुर	100	829
28.	सरगुजा	135	1168
	कुल	**2731**	**21312**

जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण - गाँव स्तर पर पहचानी गयी समस्या और समस्या के समाधान

छत्तीसगढ़ राज्य की 76.76 जनसंख्या गाँव में रहती है और गाँव में पंचायत ही एक ऐसी संस्था होती है जिस पर लोगो को उनके मौलिक अधिकार दिलाने की जिम्मेदारी होती है | ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत प्रतिनिधि गाँव के मुखिया एवं मार्गदर्शक के रूप में लोगो को उनके अधिकारो की जानकरी के साथ ही अधिकार दिलाने में सहयोग करते है | चूँकि हमारे राज्य की ज्यादा जनसँख्या ग्रामीण क्षेत्र में रहती है इसलिए जलवायु परिवर्तन का ज्यादा प्रभाव ग्रामीण क्षेत्र में ही दिखता है इसलिए ग्रामीण

क्षेत्र में गाँव के मुखिया अर्थात पंचायत प्रतिनिधियों को अपने गाँव एवं अपने राज्य को प्रदुषण मुक्त एवं जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावो से बचाने के लिए जलवायु परिवर्तन विषय पर समझ और समाधान का प्रशिक्षण इस वर्ष पुनः दिया गया | यह प्रशिक्षण मार्च से मई माह वर्ष 2022 में 139 विकासखंडो में 2731 पंचायतो में 21312 पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया |

प्रशिक्षण के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा जलवायु परिवर्तन के पहचाने गए प्रमुख कारण निम्न है -

जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण के दौरान पंचायत में जलवायु परिवर्तन के दिख रहे दुष्प्रभावो के पीछे निम्न कारको एवं इसके पहचाने गए समाधान निम्न है -

- चूँकि राज्य में ज्यादातर लोग खेती किसानी से जुड़े हुए है इसलिए रासायनिक खाद व् रासयनिक दवा को जलवायु परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण कारण के रूप में 151 प्रशिक्षण में पहचाना गया है एवं इसके समाधान के लिए रासायनिक दवा का उपयोग बंद कर जैविक खाद व् दवा का उपयोग किये जाने का निर्णय लिया गया |

- सड़क, उद्योग, व्यवसायिक परिसर, रहवासी परिसर बनाने के लिए वर्तमान में अंधाधुन्द पेड़ो की कटाई की जा रही है इसके साथ ही जंगल में आग लगना भी जलवायु परिवर्तन के एक कारण के रूप में 100 प्रशिक्षण में पहचाना गया है जिसके समाधान के लिए अधिक से अधिक 145 प्रशिक्षण में पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया
- लकड़ी के धुएँ से खाना पकाने से स्वास्थ्य की होने वाली क्षति को पहचनाते हुए 133 प्रशिक्षणों में घरो में धुआं रहित चूल्हा बनाने का निर्णय लिया गया |
- पालीथिन पर्यावरण के लिए बहुत नुकसान दायक होता है इसे 120 प्रशिक्षणों में पहचाना गया एवं इसके लिए गाँव में बाज़ार में पालीथिन, पालीथिन के बने सामानों डिस्पोसेबल के उपयोग को बंद कर पत्तल, स्टाल के बरतनों का उपयोग किये जाने का निर्णय लिया गया |

- बढ़ती महंगाई को देखते हुए ईंधन को बचाने के लिए, प्रशिक्षण में विशेष रूप से खेतो में पम्प के लिए और शासकीय भवनों में सौर उर्जा का उपयोग किये जाने का 93 प्रशिक्षणों में सुझाव दिया गया |
- गाँव में तालाब जल का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत होता है | तालाब में जानवरों को नहलाना, कचरा डालना आदि समस्या को 72 प्रशिक्षणों में पहचाना गया एवं इसमें सुधार के लिए मनुष्यों के लिए और जानवरों के लिए अलग-अलग तालाब होने व् गन्दगी पर रोक लगाने एवं समय समय पर तालाब की सफाई किये जानेका सुझाव दिया गया |
- 83 प्रशिक्षणों में गाँव में सुखा कचरा और गीला कचरा के प्रबंधन की समस्या को पहचानते हुए उसमे सुधार का सुझाव दिया गया |

पत्रिका

Share font-inc Image View Text

पंचायत प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य एवं जल परिवर्तन पर प्रशिक्षण

कोरदा (लवन) @ पत्रिका. ग्राम पंचायत धाराशिव में स्वास्थ्य एवं जलवायु परिवर्तन पर धाराशिव कुम्हारी खैरा के पंचायत प्रतिनिधियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रविवार को संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम पंचायत प्रतिनिधियों को जागरूक करने के लिए रखा गया था।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों को अपने मौलिक अधिकार जानने स्वास्थ्य संबंधी पर्यावरण एवं वायु प्रदूषण जल प्रदूषण में अपनी महत्वपूर्ण अहम भागीदारी निभाने पर जोर दिया गया। स्वस्थ पंचायत समन्वयक अंजनी साहू, ब्लॉक समन्वयक सरोज सिंह सेंगर ने रासायनिक खेती से जैविक खेती की ओर अग्रसर करने किसानों क प्रेरित करने के लिए कहा गया।

पेयजल निस्तारी तालाब क साफ-सफाई पानी की बचत के लि भू रिचार्ज सोख्ता गड्ढा व न मकान निर्माण में वर्ष जल संचयन प्रणाली को अनिवार्य करना। सौ ऊर्जा को बढ़ावा देना औ पॉलीथिन बैग के उपयोग से बचन चाहिए। कहा गया कि जब भ खरीदारी के लिए जाए तो कागज क कपड़े की थैलियों का उपयोग करें

प्रशिक्षण कार्यक्रम में धाराशिव सरपंच बंशीलाल चेलक, कुम्हार सरपंच कल्याणी पैकरा, खैर सरपंच अमृतबाई यादव के अलाव धर्मेंद्र यदु, केशमती चंद्राकर, सहित तीनों पंचायतों के पंचायत प्रतिनिधि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

- हर साल पानी की कमी को एक गंभीर समस्या के रूप में पहचानते हुए वर्षा जल संरक्षण किये जाने का 100 प्रशिक्षणों में सुझाव आया | इस सुझाव के अंतर्गत वर्षा के पानी को बचने के लिए तालाब, डबरी का निर्माण एवं शासकीय भवनों में वर्षा जल संरक्षण की व्यवस्था किये जाने सम्बन्धी सुझाव आया |
- पीने के पानी के स्त्रोत के आस पास गंदगी को 94 प्रशिक्षण में एक समस्या के रूप में पहचानते हुए पीने के पानी की समस्या को दूर करने एवं पानी के स्त्रोत के पास साफ - सफाई किये जाने का निर्णय लिया गया | इसके साथ ही 13 प्रशिक्षणों में साफ पीने पानी के लिए नल जल योजना को विस्तार करने का निर्णय लिया गया |
- 35 प्रशिक्षणों में कम पानी में पैदा होने वाली देसी धान की फसलो, कोदो और कुटकी की खेती करने का सुझाव दिया गया |
- 7 प्रशिक्षणों में अधिक प्रदुषण फ़ैलाने वाले वाहनों पर प्रतिबन्ध लागने और 13 प्रशिक्षणों में इलेक्ट्रानिक वाहनों के उपयोग किये जाने का सुझाव प्रस्तुत किया गया |
- ग्रामीण क्षेत्रो में खेतो में पैरा, पुरानी फसल और खरपतवार को जलाने से बहुत प्रदुषण होता है इसलिए 17 प्रशिक्षणों में इस कार्य पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया |

- 30 प्रशिक्षणों में जलवायु परिवर्तन पर लोगो में जागरूकता लाने के लिए समिति का गठन की आवश्यकता को पहचना गया और पंचायत और ग्राम सभा में इस विषय पर चर्चा और रणनीति बनाने का निर्णय लिया गया है |

- जलवायु परिवर्तन विषय पर अधिक से अधिक लोगो को जागरूक करने के लिए 59 प्रशिक्षणों में टी वी, समाचार पत्र, मोबाईल, दीवाल लेखन, रैली व् नुक्कड़ नाटक जैसे माध्यमों का उपयोग किये जाने का निर्णय लिए गया |
- 29 प्रशिक्षणों में मच्छर अगरबती के उपयोग बंद कर लोगो को मच्छर दानी का उपयोग करने एवं नीम के पत्ती का धुआं करने के लिए समझाए जाने का सुझाव दिया गया |
- खुले में शौच जलवायु प्रदुषण के साथ ही साथ बीमारी का भी कारण होता है | 35 प्रशिक्षणों में गाँव में खुले में शौच नहीं पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया |
- 32 प्रशिक्षणों में गुटखा, तम्बाखू, सिगरेट, बीड़ी, शराब आदि पर प्रतिबन्ध लगाने का निर्णय लिए गया |
- 8 प्रशिक्षण में फैक्ट्री और कारखानों को गाँव और आस पास नहीं लगाने देने के साथ ही साथ अवैध फैक्ट्रियां को बंदकर देने का सुझाव आया साथ ही फैक्ट्रियो में प्रदुषण जाँच की मशीन लगवाने के लिए फैक्ट्री के मालिको से चर्चा करने का भी सुझाव आया है |

जलवायु परिवर्तन प्रशिक्षण पर पंचायत प्रतिनिधियों का अनुभव

ग्राम पंचायत - केल्हारी, विकासखंड - मनेन्द्रगढ़, जिला - कोरिया

ग्राम पंचायत केल्हारी के पंचायत प्रतिनिधियों ने जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद केल्हारी के बाज़ार में दुकानदारो को झिल्ली उपयोग नहीं करने सम्बन्धी पर्चा बांटा और उनसे झिल्ली का उपयोग नहीं करने की अपील की है | गाँव में लोग धुआ रहित चूल्हा बनाने में लगने वाले राड की व्यवस्था नहीं कर पा रहे थे तो सरपंच एवं पंच के दवारा राड की व्यवस्था की गयी | इसके साथ ही साथ गाँव में रासायनिक खाद का उपयोग को बंद करने के लिए ग्राम पंचायत के गौठान में जैविक खाद बनवाया गया है और इस बार खेती के लिए गोठान से ही जैविक खाद लेकर खेती की जा रही है | **इलीसबा - एस.पी.एस.**

ग्राम पंचायत - सुवरलोट, विकासखंड - करतला, जिला - कोरबा

जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ग्राम पंचायत के सरपंच एवं पांचो के दवारा गाँव की दुकान और होटलों में पालीथिन के उपयोग बंद करने के लिए रैली, दीवाल लेकखन और चर्चा कर समझाया गया और उन्हें पंचायत की ओर से थैला भी दिया गया | इसके साथ ही साथ प्रशिक्षण में पंचायत प्रतिनिधियों ने सामाजिक कार्यक्रमों में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की बात कही गयी थी इसे पूरा करने के लिए सरपंच ने अपने घर के छट्टी के कार्यक्रम में दोना, पत्तल और स्टील के ग्लास का उपयोग किया | **गेंद्बाई साहू - एस.पी.एस.**

ग्राम पंचायत - परपोड़ा, विकासखंड - बेरला, जिला - बेमेतरा

जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण प्राप्त पंचायत प्रतिनिधियों के दवारा खेती में रासयनिक खाद पर तुरंत रोक लगाने के लिए गाँव में महिलाओं का स्व सहायता समूह का गठन किया गया और उन्हें जैविक खाद बनाए के लिए कहा गया | आज गाँव के लोग अपने खेत और बाड़ी में डालने के लिए समूह से जैविक खाद ले रहे है |

पंचायत - मड़ानार, विकासखंड - कोंडागांव, जिला - कोंडागांव

गाँव के पंचायत प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण के बाद गाँव में लोगो को जंगल में पेड़ की कटाई नहीं करने के लिए समझाया गया | पंचायत प्रतिनिधियों के समझाने के बाद से गाँव वाले निगरानी समिति बना लिए है और एक-एक पारा के लोग पारी-पारी से जंगल की निगरानी करते है | अभी वर्तमान में गाँव वालो के दवारा वृक्षारोपण किया जा रहा है | **फूलवती नेताम - एस.पी.एस.**

ग्राम पंचायत - धमकी, विकासखंड - कवर्धा, जिला - कवर्धा

ग्राम पंचायत धमकी के पंचायत प्रतिनिधियों ने जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण के बाद सभी पंचो के द्वारा अपने-अपने पारा में जलवायु परवर्तन पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है | इसके साथ ही साथ खेतो में जलाने के लिए जमा किये गए पैरे को गोठान में इकट्ठा कर गाय के लिए रखा जा रहा है | इसके साथ ही गाँव के सरपंच के दवारा गाँव में महिलाओं को धुआं रहित चूल्हा बनाने का प्रशिक्षण देने के लिए मितानिन प्रशिक्षको को कहा गया है ताकि गाँव के घर-घर में धुआं रहित चूल्हा बनाया जा सके |

श्रीमती दुर्गा साहू - एस.पी.एस.

ग्राम कौआझर, खैरझिटी, विकासखंड - महासमुंद, जिला -महासमुंद

ग्राम कौआझर और खैरझिटी की लगभग 200 एकड़ कृषि भूमि को एक व्यापारी के दवारा खेती के लिए किसानो से ख़रीदा गया था | परन्तु व्यापारी ने उस जमीन पर पावर प्लांट लगवाने का कार्य चालू कर दिया था | दोनों पंचायतो की कार्यवाही रजिस्टर में ग्रामीणों और पंचायत के सदस्यों की जानकारी के बिना सचिव और उपसरपंच ने पैसे की लालच में कार्ययोजना बनाकर साईन कराकर व्यापारी को दे दिए थे | पिछले वर्ष 20 पंचायत के प्रतिनिधियों ने जलवायु परिवतन पर प्रशिक्षण लिया था तो उन्हें जानकरी थी की पावर प्लांट लगने से किस तरह की समस्याओं का समाना करना पड़ सकता है | व्यापारी के दवारा जब परमिशन के लिए कार्य किया जा रहा था तब ग्रामीणों को पता चला और दोनों गाँव के सरपंच से ग्रामीणों ने प्लांट गाँव के लिए हानिकारक है बताते हुए इसे रोकने के लिए चर्चा किये | पिछले 2 माह से हाईवे पर धरना जारी है जिसमे तुमगांव और सिरपुर के ग्रामीण धरने पर बैठे है | ग्रामीणों के दवारा कलेक्टर को भी ज्ञापन दिया गया है |

ममता यादव, हेमवती यादव - एस.पी.एस.

ग्राम पंचायत - बड़े साजापानी, विकासखंड - बसना, जिला - महासमुंद

बड़ेसाजापनी के पंचायत प्रतिनिधियो के दवारा जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण लेने के बाद गाँव में सड़क के किनारे जो पेड़ काटे गए थे उस पर चर्चा किया गया | ग्रामीणों से चर्चा उपरान्त सभी ने यह निर्णय लिया की पर्यावरण को बचाने के लिए पेड़ बचाना जरुरी है इसलिए जितने पेड़ कटे है उससे ज्याद पेड़ लगाएंगे | पंचायत के दवारा वन विभाग से आवेदन देकर 500 पौधे मंगवाए गए | इन पौधों को पंचायत भवन के आसपास, तालाब की मेढ़, गौठान और किसानो, समिति के सदस्य, मितानिन और पंच अपने घरो की बाड़ी में लगाए है | इन पौधों के ग्रामीणों के साथ ही साथ गाँव के उपसरपंच और पंच के दवारा की जा रही है | **प्रेमकुमारी बारीक़ - एस.पी.एस**.

ग्राम पंचायत - कनसदा, विकासखंड - नवागढ़, जिला - जांजगीर चांपा

जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण के बाद कनसदा के पंचायत प्रतिनिधियों के दवारा गाँव में बैठक की गयी और सभी पंचो ने निर्णय लिया की वे एक- एक पेड़ को गोद लेंगे | सरपंच के दवारा पेड़ घेराव के लिए तार भी मंगवाए गए है | सरपंच के दवारा पेड़ो में पंचो का नाम लिखकर चिपाकने का निर्णय लिया गया है ताकि सभी पंच अपने पेड़ो की अच्छे से देखभाल कर सके | इसके साथ ही साथ गाँव में महिला समूह, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के सदस्यों को पेड़ गोद लेने के लिए कहा गया है | **धनकुमारी हंस - एस.पी.एस**.

ग्राम पंचायत - अंडी कछार, विकासखंड - पाली, जिला - कोरबा

ग्राम पंचायत के प्रतिनिधयो के दवारा जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण लेने के बाद पंचायत के दवारा गाँव के तालाब में जानवरों को नहलाने और गंदगी फैलाने वालो पर 2000 रुपये जुर्माना लगाए जाने का निर्णय लिया गया | पंचायत के दवारा निर्मित इस नियम का गाँव वाले गंभीरता से पालन कर रहे है | अब गाँव में जानवरों को अलग से तालाब बन्दिया में नहलाया जा रहा है और साफ सफाई भी नियमित की जा रही है |